



ग्लोबल इनशिएटिवि ऑन डजिटल हेल्थ

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

वित्त मंत्रालय के अंतरगत आर्थिक मामलों के विभाग (DEA) ने वैश्विक डजिटल स्वास्थ्य पहल/ग्लोबल इनशिएटिवि ऑन डजिटल हेल्थ (GIDH) हेतु भारत के 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान को मंजूरी नहीं दी है।

वैश्विक डजिटल स्वास्थ्य पहल:

परिचय:

- ग्लोबल इनशिएटिवि ऑन डजिटल हेल्थ (GIDH) राष्ट्रीय डजिटल स्वास्थ्य परिवर्तन का समर्थन करने वाले संगठनों, संस्थानों एवं सरकारी तकनीकी एजेंसियों का एक नेटवर्क है।
- इसका प्रबंधन विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा किया जाता है।
- इसके उद्देश्यों में स्थायी डजिटल स्वास्थ्य परिवर्तन की जरूरतों का आकलन करने एवं प्राथमिकता तय करने के साथ डजिटल स्वास्थ्य संसाधनों का संतुलन है।
- अगस्त 2023 में गुजरात में स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में भारत की G20 प्रेसीडेंसी के दौरान GIDH की शुरुआत की गई थी।
- यह नई वलिली घोषणा का हिस्सा बन गया तथा भारत ने सीड फंड के रूप में इसमें 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देने का वादा किया। इस पहल को औपचारिक रूप से फरवरी 2024 में शुरू किया गया था।

GIDH के चार मुख्य घटक:

- कंट्री नीड्स ट्रैकर: विभिन्न देशों की डजिटल स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने के साथ उन्हें ट्रैक करने के लिये स्थापित एक तंत्र।
- कंट्री रिसोर्स पोर्टल: प्रत्येक देश में उपलब्ध डजिटल स्वास्थ्य संसाधनों का मानचित्र।
- ट्रांसफॉर्मेशन टूलबॉक्स: स्वास्थ्य परिवर्तन के लिये गुणवत्ता-सुनिश्चित डजिटल टूल का भंडार।
- नॉलेज एक्सचेंज: भाग लेने वाले देशों के बीच ज्ञान साझा करने की सुविधा।

संबंधित पहल:

- प्रेसीडेंसी रोकथाम, तैयारी प्रतिक्रिया (Presidency Prevention, Preparedness Response-PPR) वित्तीय मध्यस्थ नर्धि (Financial Intermediary Fund-FIF) की जम्मेदारी G20 प्रेसीडेंसी के दौरान इंडोनेशिया ने ली थी और इंडोनेशिया ने प्रस्ताव के आरंभकर्ता के रूप में 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया था।

डजिटल हेल्थकेयर:

परिचय:

- डजिटल हेल्थकेयर चिकित्सा देखभाल वितरण की एक प्रणाली है जो गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल सेवाओं को सुलभ, सस्ती और सतत बनाने के लिये डजिटल तकनीकों की एक शृंखला का उपयोग करती है।
- डजिटल स्वास्थ्य के व्यापक दायरे में मोबाइल स्वास्थ्य (mHealth), स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी (IT), पहनने योग्य उपकरण (डिवाइस), टेलीहेल्थ और टेलीमेडिसिन एवं व्यक्तिगत चिकित्सा जैसी श्रेणियाँ शामिल हैं।

आयुष्यमान भारत डजिटल मशिन:

- भारत का आयुष्यमान भारत डजिटल मशिन एक नरिबाध इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रणाली बनाने की दशा में कार्यरत है।
- इसे सितंबर 2021 में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य सभी भारतीय नागरिकों को डजिटल स्वास्थ्य आईडी प्रदान करना है ताकि अस्पतालों, बीमा फर्मों एवं नागरिकों को आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँचने प्राप्त हो सके।
- इस परियोजना को छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पायलट चरण में लागू किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA), इसकी कार्यान्वयन एजेंसी होगा।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. आयुष्मान भारत डजिटल मशिन के संदरभ में नभिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2022)

1. नजी और सरकारी अस्पतालों द्वारा इसे अपनाना होगा ।
2. जैसा कइसका उद्देश्य सार्वभौमकि, स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना है, भारत के प्रत्येक नागरकि को अंततः इसका हसिसा होना चाहयि ।
3. इसकी देश भर में नरिबाध पोर्टेबलिटी है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2 केवल
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/global-initiative-on-digital-health-1>

